Fb – छिपे हुए खजाने का दृष्टांत मत्ती १३:४४ | 1

– Save This Page as a PDF–

छिपे हुए खजाने का दृष्टांत

मत्ती १३:४४

खोदाई: यह दृष्टांत मोती के दृष्टांत के साथ कैसे मेल खाता है? प्रत्येक दृष्टान्त किसका प्रतिनिधित्व करता है? ऐसा कैसे? वह हमें पाबित्रशास्त्र में कहां मिलता है? क्या जिस आदमी को ख़ज़ाना मिला उसने कोई अनैतिक काम किया जब उसने यह जानते हुए खेत ख़रीदा कि उसमें छिपा हुआ ख़ज़ाना है? क्यों? क्यों नहीं? हम कैसे जानते हैं कि यहोवा का इस्राएल के साथ अंत नहीं हुआ है? अब तक अध्ययन किए गए छह दृष्टांतों में आप किस विचार का प्रवाह देखते हैं?

चिंतन: जब हम येशुआ हा-मेशियाच में अपना विश्वास रखते हैं, तो एक आध्यात्मिक यूरेका क्षण आता है। क्या आपने वह पल किसी यहूदी मित्र के साथ साझा किया है?

छिपे हुए खजाने के दृष्टांत का एक मुख्य बिंदु यह है कि सैद्धांतिक भ्रष्टाचार के साथ भी, एक अवशेष को इज़राइल से बचाया जाएगा।

तीसरा दोहा छिपे हुए खजाने (इज़राइल) और मोती (अन्यजातियों) के दृष्टान्तों से बना है, जो दर्शाता है कि शत्रुता की विभाजनकारी दीवार टूट गई है (इफिसियों २:१४-
१८) और यहूदी और अन्यजातियाँ मिलकर एक संगठन अदृश्य सार्वभौमिक चर्च बनाते हैं। यीशु अब गलील सागर के किनारे भीड़ के सामने नहीं, बल्कि पतरस के घर में अपने चेलों के साथ अकेले हैं।

१८६७ में दक्षिण अफ़्रीका के एक खेत में, पंद्रह वर्षीय इरास्मस जैकब्स ने धूप में चमकता हुआ एक पत्थर देखा। अंततः चमकदार चट्टान की सूचना एक पड़ोसी को दी गई, जो इसे परिवार से खरीदना चाहता था। इसकी कीमत न जानते हुए इरास्मस की माँ ने पड़ोसी से कहा, “यदि तुम चाहो तो पत्थर अपने पास रख सकते हो।” अंततः, एक खनिजविज्ञानी ने यह निर्धारित किया कि यह पत्थर २१.२५ कैरेट का हीरा है और जाहिर तौर पर इसकी कीमत बहुत अधिक थी। इसे “यूरेका डायमंड” के नाम से जाना जाने लगा क्योंकि ग्रीक शब्द यूरेका का अर्थ है मैंने इसे पाया। जल्द ही जैकब्स फार्म के पास के खेत का मूल्य बढ़ गया। ज़मीन के नीचे अब तक खोजे गए सबसे अमीर हीरे के भंडार में से एक था। मसीहा ने कहा कि परमेश्वर के राज्य का हिस्सा होने का मूल्य एक खजाने की तरह है।

Fb – छिपे हुए खजाने का दृष्टांत मत्ती १३:४४ | 2



घर के अंदर ही (देखने के लिए Ez – घर में राज्य के
निजी दृष्टांत),, यीशु ने यह कहते हुए शिक्षा देना जारी रखा: स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए खजाने के समान है। गेहूं और जंगली घास के दृष्टांत में, येशुआ ने पहले ही खेत की व्याख्या दुनिया के रूप में कर दी थी। और तानाख हमें बताता है कि जब किसी खजाने का प्रतीकात्मक रूप से उपयोग किया जाता है तो यह इज़राइल को संदर्भित करता है: अब यदि तुम पूरी तरह से मेरी बात मानोगे और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सभी राष्ट्रों में से तुम मेरी बहुमूल्य संपत्ति हो जाओगे (निर्गमन १९:५)। क्योंकि तुम अपने परमेश्वर यहोवा के लिये पवित्र लोग हो। तेरे परमेश्वर यहोवा ने पृय्वी भर के सब देशोंके लोगोंमें से तुझे अपना अद्वितीय धन होने के लिथे चुन लिया है (व्यवस्थाविवरण १४:२ सीजेबी)। क्योंकि यहोवा ने याकूब को अपना होने के लिये, और इस्राएल को अपनी निज सम्पत्ति होने के लिये चुन लिया है (भजन १३५:४)।

यह दृष्टांत सिखाता है कि ऐसे अवशेष होंगे जो इज़राइल से बचाए जाएंगे, रहस्यमय साम्राज्य की अवधि के दौरान यहूदी मसीहा के पास आएंगे। जब किसी मनुष्य को वह मिला, तब उस ने उसे फिर छिपा दिया, और आनन्द से जाकर अपना सब कुछ बेच डाला, और उस खेत को मोल ले लिया। हलाखा के अनुसार, यदि खजाना अचिह्नित है और सार्वजनिक भूमि पर पाया जाता है, तो वह खोजने वाले का होता है। यदि यह चिह्नित है, तो मालिक की तलाश की जानी चाहिए। यदि खोज प्राकृतिक है (सोने की डली या हीरा) या निजी भूमि पर अचिह्नित है, तो यह भूमि के मालिक की है; इसीलिए खोजकर्ता ने उस फ़ील्ड को खरीदा – नया मालिक बनने के लिए।

लेकिन दृष्टान्त से यह प्रतीत होता है कि खोजने वाले ने उस खेत को “खजाना-पूर्व” मूल्य पर खरीदा था, और यदि मालिक को पता होता कि वहाँ खजाना है, तो उसने उस मूल्य पर खेत को नहीं बेचा होता। यह एक नैतिक प्रश्न उठाता है: क्या खोजकर्ता खेत खरीदने से पहले खजाने के मालिक को सूचित करने के लिए हलाखा या नैतिकता (यदि वास्तव में अलग है) से बाध्य है? नहीं, संपत्ति में हमेशा मालिकों की जानकारी से

Fb – छिपे हुए खजाने का दृष्टांत मत्ती १३:४४ | 3

परे क्षमता होती है; केवल प्रभु ही सब कुछ जानते हैं। एक मालिक अपने पास मौजूद चीज़ों से मिलने वाले अवसरों की जांच कर सकता है, और अन्य लोग उसके ज्ञान को बढ़ाने में अपना समय बर्बाद करने के लिए बाध्य नहीं हैं। दूसरे शब्दों में, मालिक अपनी संपत्ति की स्थिति जानने के लिए जिम्मेदार है। इसलिए यदि मुझे पता चलता है कि आपकी भूमि के नीचे तेल है, तो जब मैं इसे खरीदने की पेशकश करता हूं तो मुझे आपको इस तथ्य के बारे में सूचित करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि स्वामित्व को मुझसे अधिक आपको यह पता लगाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। ज़मीन के इस टुकड़े के विक्रेता को अपनी ज़मीन का उचित मूल्य प्राप्त हुआ, जबकि वह इसके बारे में जानता था; जैसा कि अक्सर होता है, नए मालिक ने इसे खरीद लिया क्योंकि उसे अतिरिक्त क्षमता का एहसास हुआ।

ख़ज़ाना उसके कब्ज़े में नहीं आता, केवल उस स्थान पर आता है जहाँ ख़ज़ाना है। अपनी मृत्यु के द्वारा यीशु ने सारा संसार खरीद लिया, और इस्राएल संसार का खज़ाना है। परिणामस्वरूप, अनुग्रह के वितरण के दौरान कई यहूदी येशुआ हा-मेशियाच में विश्वास करने वाले बन जाएंगे (इब्रानियों Bp पर मेरी टिप्पणी देखें – अनुग्रह का वितरण)।

दरअसल, इजराइल को पूरी दुनिया में दफनाया गया है। यहूदियों की सबसे बड़ी आबादी इजराइल में नहीं बल्कि न्यूयॉर्क शहर में है। और यहूदी लोग पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। लेकिन यहोवा एक राष्ट्र के रूप में इज़राइल के साथ सहमत नहीं हैं। रब्बी शाऊल ने लिखा: उस मामले में, मैं कहता हूं, क्या ऐसा है कि परमेश्वर ने अपने लोगों को अस्वीकार कर दिया है? स्वर्ग वर्जित! क्योंकि मैं आप बिन्यामीन के गोत्र में से इब्राहीम के वंश से इस्राएल का पुत्र हूं। परमेश्वर ने अपने लोगों को अस्वीकार नहीं किया है, जिन्हें उसने पहले से चुना है। . . (रोमियों ११:१-२ए)।

जकर्याह ने लिखा: और मैं दाऊद के घराने पर और येरूशलेम में रहनेवालों पर अनुग्रह और प्रार्थना की आत्मा उण्डेलूंगा; और वे मेरी ओर दृष्टि करेंगे, जिन्हें उन्होंने बेधा है। वे उसके लिये ऐसा विलाप करेंगे जैसे कोई एकलौते पुत्र के लिये विलाप करता है; वे उसके पक्ष में वैसे ही कड़वाहट में होंगे जैसे पहले जन्मे बेटे के लिए कड़वाहट होती है (प्रकाशितबाक्य पर मेरी टिप्पणी देखें Ev – यीशु मसीह के दूसरे आगमन का आधार)।

भविष्यवक्ता यिर्मयाह कई अंशों में इस्राएल के लोगों के पुनः एकत्र होने और हाशेम द्वारा उन्हें उनकी अपनी भूमि पर वापस लाने की बात करता है। वह समय अभी भी भविष्य है. जब परमेश्वर उन्हें फिर से इकट्ठा करेंगे, तो यह इतने महान चमत्कारों से होगा कि वे मिस्र से अपने चमत्कारी उद्धार को भी भूल जाएंगे, जिसे किसी भी धार्मिक अवकाश से अधिक समय तक मनाया जाता रहा है (यशायाह पर मेरी टिप्पणी देखें Dd– भेड़िया मेमने के साथ रहेगा)। यहोवा इसराइल राष्ट्र के साथ नहीं है, और यह

Fb – छिपे हुए खजाने का दृष्टांत मत्ती १३:४४ | 4

दृष्टांत उस तथ्य को बहुत स्पष्ट करता है।

जिन नौ दृष्टांतों पर हमने गौर किया है, उनमें विचार का एक बुनियादी प्रवाह विकसित होता है: (१) मिट्टी का दृष्टांत (Et) सिखाता है कि पूरे चर्च युग में सुसमाचार का बीजारोपण होगा। (२) बीज के अपने आप उगने का दृष्टांत (Eu) सिखाता है कि सुसमाचार के बीज में एक आंतरिक ऊर्जा होगी जिससे वह अपने आप जीवन में आ जाएगा।
(३) गेहूँ और जंगली घास का दृष्टांत (Ev) सिखाता है कि सच्ची बुआई का अनुकरण झूठी प्रति-बुवाई द्वारा किया जाएगा। (४) सरसों के बीज का दृष्टांत (Ew) सिखाता है कि दृश्यमान चर्च असामान्य बाहरी विकास ग्रहण करेगा। (५) ख़मीर का दृष्टांत (Ex) सिखाता है कि दृश्य चर्च का सिद्धांत भ्रष्ट हो जाएगा। (६) छिपे हुए खजाने का दृष्टांत (Eb) सिखाता है कि सैद्धांतिक भ्रष्टाचार के साथ भी, एक अवशेष को इज़राइल से बचाया जाएगा।